F.No.- CSU-LKO/2023-2024/Dir /01/

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर

सूचना –156

दिनांक– 20.2.2024

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, ज्योतिषशास्त्र विद्याशाखा के शोधच्छात्रों के प्राक्शोध पाठ्यक्रम का द्वितीय चरण सम्पन्न होने जा रहा है। उनकी शेष गतिविधियाँ निम्नलिखित रूप में सम्पादित की जायगी।

समापन समारोह	–	4 मार्च, 2024
साक्षात्कार	–	01 मार्च को 02.00 बजे से कक्ष संख्या–4
प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पत्रों की लिखित परीक्षा	–	2 मार्च, 2024 समय– प्रातः 10:00 से 11:30, 12:00 से 01:30, 03:00 से 04:30
चतुर्थ एवं पंचम पत्रों की लिखित परीक्षा	–	3 मार्च, 2024 समय– प्रातः 10:00 से 11:30, 12:00 से 01:30

प्रायोगिक परीक्षा

प्रथम पत्र–

1. शोध प्रारुप का निर्माण+PPT – 23 फरवरी, 2024 को 10:00 से 01:00 बजे तक।
2. एक शोध पत्र लेखन तथा अन्तर राष्ट्रिय ज्योतिष संगोष्ठी में प्रस्तुतीकरण (24–26 फरवरी)।

द्वितीय पत्र–

1. किसी एक शोध विधि का परिचय लेखन।
2. किसी भी सम्पादित ग्रन्थ का 5 पृष्ठों का लिप्यन्तरण और पाठ समालोचना लेखन।

तृतीय पत्र–

1. शोध पत्र का PPT निर्माण।
2. लघु टिप्पणी (संस्कृत/अंग्रेजी), शोध के लिए उपयोगी सॉफ्टवेयर

सामूहिक गतिविधि– 22 फरवरी से 28 फरवरी 2024 के मध्य कक्ष सं.– 04
प्रथम समूह– अनुक्रमांक– 1 से 9
द्वितीय समूह– अनुक्रमांक– 10 से 18
तृतीय समूह– अनुक्रमांक– 19 से 26

चतुर्थ पत्र–

1. ज्योतिष शास्त्र में उपलब्ध किसी एक पाण्डुलिपि का संक्षिप्त विवरण लेखन।
2. ज्योतिष शास्त्र में Ph.D के लिए सम्पादित और समर्पित पाँच शोध प्रबन्धों की समीक्षा एवं शोध सारांश लेखन।

पंचम पत्र–

1. स्वशास्त्र से सम्बन्धित 10 शोध प्रबन्धों का सारांश लेखन।
2. स्वशास्त्रीय 10 सम्भावित शोध समस्याओं का शोध की दृष्टि से औचित्य निरूपण।

सभी कार्य सम्पादित कर 28 फरवरी, 2024 तक शोध प्रकोष्ठ में प्रो. गणेश शंकर विद्यार्थी जी के पास समर्पित करें।

(प्रो0 सर्वनारायण झा)
निदेशक

प्रतिलिपि–

1. उपर्युक्त सभी को सूचनार्थ
2. सूचना संचिका
3. सम्बन्धित संचिका
4. श्री मुकुल कुमार मिश्र, तकनीकी सहायक, वेबसाइड में अपलोड हेतु
5. प्रो. गुरुचरण सिंह नेगी, संयोजक, आईक्यूएसी